ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 ईमेल-bsmirgae@gmail.com

---

हिंदी विश्वविद्यालय में सोमवार से विदेशी शिक्षकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

श्रीलंका, मॉरिशस, हंगरी, न्यूजीलैंड, रशिया, क्रोशिया, बेल्जियम, चीन व जर्मनी के अध्यापक लेंगे हिस्सा

वर्धा दि. 29 अक्तूबर 2011- महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में सोमवार दि. 31 अक्तूबर से 9 नवम्बर 2011 के बीच विदेशी हिंदी शिक्षकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। 10 दिन के इस कार्यक्रम में **श्रीलंका, मॉरिशस, हंगरी, न्यूजीलैंड, रशिया, क्रोशिया, बेल्जियम, चीन व जर्मनी के अध्यापक हिस्सा ले रहे हैं।** इस अभिविन्यास कार्यक्रम में आने वाले विदेशी शिक्षकों का स्वागत एवं परिचय 11.30 बजे किया जाएगा तथा उदघाटन विश्वविद्यालय के कुलपति विभूति नारायण राय की अध्यक्षता में भाषा विद्यापीठ के सभागार में अपराह्न 3.00 बजे होगा। स्वागत वक्तव्य विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. ए. अरविंदाक्षन देंगे तथा भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. उमाशंकर उपाध्याय धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करेंगे। विश्वविद्यालय में विदेशी शिक्षकों के लिए इस प्रकार का आयोजन दूसरी बार हो रहा है। इससे पहले इसी वर्ष 3 से 15 जनवरी के बीच पहला आयोजन किया गया था।

इस आयोजन के संदर्भ कुलपति विभूति नारायण राय का कहना है कि दुनियाभर के विभिन्न विश्वविद्यालय तथा संस्थानों में जिसप्रकार से हिंदी का पठन-पाठन हो रहा है उसमें महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय एक समन्वयक की भूमिका निभाना चाहता है। विदेशों में हिंदी पढ़ाने में जो समस्याएं आती है उसे जानकर उन समस्याओं को सुलझाने में हमारा विश्वविद्यालय मदद करेगा और इसी दिशा में विश्वविद्यालय ने विदेशी शिक्षकों के लिए इस प्रकार के अभिविन्यास (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम चलाने की योजना बनाई है।

विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति एवं विदेशी शिक्षण प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रो. ए. अरविंदाक्षन ने बताया कि विदेशों के विभिन्न विश्वविद्यालयों में हिंदी पढाने वाले अध्यापकों के लिए यह दूसरा आयोजन है। प्रथम आयोजन में सहभागी हुए विदेशी अध्यापकों से हमें अच्छा प्रतिसाद मिला और उन्होंने इस प्रकार के आयोजन की काफी सराहना भी की थी। उसमें मॉरिशस, बैंकाक, जर्मनी, चीन आदि देशों के हिंदी अध्यापकों ने अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया था। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का यह आयोजन विदेशी विश्वविद्यालयों से अकादमिक संबंध दृढ करने का एक शसक्त प्रयास है। 31 अक्तूबर से 9 नवम्बर के बीच चलने वाले इस कार्यक्रम में हिंदी के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, वर्तनी, मानकीकरण, ध्वनी, शब्द, शैली, धातु, वाक्य रचना, सिध्दांत, हिंदी भाषा प्रौद्योगिकी और शिक्षणसामग्री निर्माण आदि विषयों पर चर्चा होगी। कार्यक्रम का समापन 9 नवम्बर को अपराह्न 3.00 बजे होगा।

बी एस मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी